पूर्व प्रधान मंत्री ने गैर-सरकारी दौरों के लिए 2 अप्रैल, 1991 अर्थात् राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के मार्ग-निर्देशन के लिए जारी की गई आदर्श आचरण संहिता का पैरा 7 लागू होने की तारीख से 13 जून, 1991 अर्थात् चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की तारीख तक कुल 1307.10 घंटों की उड़ान की। पूर्व उप प्रधान मंत्री को इस अवधि के दौरान गैर-सरकारी दौरों के लिए कोई वायुयान उपलब्ध नहीं कराया गया।

पूर्व प्रधान मंत्री द्वारा गैर-सरकारी दौरों के लिए इस्तेमाल किए गए वायुयान के प्रभार के रूप में वायुसेना को कुल लगभग 412 लाख रुपए (चार सौ बारह लाख रु०) की अदायगी की जानी है।

(ग) से (ङ) जी, नहीं। वायुसेना मुख्यालय को खर्च के दावे तैयार करने से पूर्व जांच कार्य करने में कुछ समय लगता है। अप्रैल, 1991 को समाप्त अवधि के बिल तैयार कर लिए गए हैं।

1512. *[Transferred to the 10th Sep. 1991.]*

गरीबी की रेखा से नीचे के लोगों की मासिक आय

1513. **श्री रणजीत सिंह :**
डा. जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 1987-88 के दौरान 237.67 मिलियन लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे थे;

(ख) यदि हां, तो गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले इन लोगों की अधिकतम मासिक आय क्या है;

(ग) क्या मुद्रास्फीति की दर में हो रही वार्षिक वृद्धि को देखते हुए वर्तमान स्तर पर गरीबी रेखा से नीचे रह रहे लोगों की मासिक आय का ऐसा आकलन सही है; और

(घ) यदि नहीं, तो मुद्रास्फीति की दर में वृद्धि को देखते हुए यह राशि कितनी होनी चाहिए?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हंसराज भारद्वाज) : (क) राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण घरेलू खपत व्यय संबंधी हंसराज आंकड़े एकत्रित करता है। योजना आयोग इन आंकड़ों का प्रयोग करते हुए तथा न्यूनतम आवश्यकताओं एवं प्रभावी खपत मांग पर कैलोरी बल द्वारा संस्तुत गरीबी-रेखा के आधार पर देश में गरीबों की संख्या एवं अनुपात का अनुमान लगाता है। वर्ष 1987-88 में गरीबी की रेखा से नीचे रह रहे लोगों की संख्या 237.67 मि० होने का अनुमान है।

(ख) गरीब लोगों से अभिप्राय उन लोगों से है जिनका प्रति व्यक्ति अधिकतम मासिक खपत व्यय वर्ष 1987-88 में गरीबी रेखा से नीचे अर्थात् ग्रामीण क्षेत्रों में 131.80 रु० तथा शहरी क्षेत्रों में 152.13 रु० था।

(ग) और (घ) कीमत स्तर में परिवर्तनों को देखते हुए गरीबी रेखा को अद्यतन बनाया जाता है।

आम चुनावों की घोषणा के बाद सरकारी पदों पर नियुक्तियां

1514. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछली सरकार ने आम चुनावों की घोषणा के बाद बड़ी संख्या में सरकारी पदों पर नियुक्तियां की थीं;

(ख) क्या यह भी सच है कि निर्वाचन आयोग ने भी ऐसी नियुक्तियां न करने के लिए कहा था;

(ग) यदि हां, तो ये नियुक्तियां कौन-कौन से विभागों में किन-किन पदों पर की गई थीं;